IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन

**शाज़िया अर्शी**

शोध छात्रा.श्री वे०वि०वि०ए

शिक्षक शिक्षा प्रणाली का मुख्य केंद्र होता है शिक्षक के ऊपर ही शिक्षा की सफलता का सारा दारोमदार है।लेकिन आज शिक्षक अपने कार्य (व्यवसाय) से सन्तुष्ट नही है।आधुनिक युग में समस्त मानवतावादी लक्ष्यों में कार्य संतुष्टि को सर्वोपरि लक्ष्य माना गया हैएयदि शिक्षक अपने कार्य सम्पादन से सन्तुष्ट है तो निःसन्देह यह स्थिति सम्पूर्ण शिक्षण बयस्था के लिए वरदान सिद्ध ही सकती है।ठीक उसके विपरीत कार्य संतुष्टि का अभाव शिक्षण व्यवस्था के लिये अभिशाप सिद्ध होगा।इस दृष्टिकोण से आज के जटिल सामाजिक परिस्थितियों में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना आवश्यक है ताकि कार्य संतुष्टि के कारणों को जाना जा सके एवम उसमें सुधार लाया जा सकेएमाध्यमिक स्तर की शिक्षा चूंकि सम्पूर्ण शिक्षा व्यवस्था की दशा निर्देशक हैएअतः इन स्तर के विद्यालयों की शिक्षकों की कार्य संतुष्टि ज्ञात करना अत्यधिक महत्वपुर्ण है।

## अध्ययन का उद्देश्यरू.

1ण अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के स्तर ज्ञात करना।

2ण अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष एवम महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के स्तर ज्ञात करना।

3ण शहरी एवम ग्रामीण क्षेत्र के अनुदानित एवम गैर अनुदानित। माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का स्तर ज्ञात करना।

**परिकल्पना**

1ण अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर है।

2ण अनुदानित एवम ग़ैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष एवम महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर है।

3ण शहरी एवम ग्रामीण क्षेत्र के अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर है।

**विधिरू.**

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि के आधार पर किया गया हैकृ

न्यादर्श के रूप में प्रयागराज(इलाहाबाद) जनपद में आने वाले समस्त अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मिलित किया गया है। प्रत्येक वर्ग की संख्या 300 ली गयी है।

**उपकरणरू.**व्यसायिक संतुष्टि मापनी.डॉ मीरा दीक्षित

**सांख्यकीय प्रविधिरू**शोध में प्राप्त प्रदत्तों से मध्यमानएमानक विचलनएतथा सार्थकता ज्ञात करने के लिए क्रांतिक निष्पत्ति व'टी'का मान निकाला गया।

**परिणामरू**

**सारणी संख्या.1**

**अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि की तुलनारू**

अनुदानित माध्यमिक विद्यालय 300 शिक्षक का मध्यमान168ण75एप्रमाणिक विचलन. 25ण22 है।गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या.300एमध्यमान. 158ण11एप्रमाणिक विचलन.21ण8एक्रांतिक निष्पत्ति.2ण47एसर्तकता स्तर.05 है

**सारणी संख्या.2**

अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के पुरुषध्महिला शिक्षकों के कार्य संतुष्टि प्राप्तांक का मध्यमानएमानक विचलनएएवम क्रांतिक निष्पत्ति का मान.

अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षक संख्या 250 का मध्यमान 157ण50एमानक विचलन.22ण05 हैएगैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों

की संख्या.250एमध्यमान.147ण्00एमानक विचलन.17ण्87 हैए इनका क्रांतिक निष्पत्ति.4ण्77 है सार्थकता स्तर.ण्01 है।

अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों की संख्या.50 जिनका मध्यमान. 178ण्25एमानक विचलन.24ण्95 हैएगैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों की संख्या.50 जिनका मध्यमान.170ण्00एमानक विचलन.24ण्81है दोनों का क्रांतिक निष्पत्ति. 3ण्03 है सार्थकता स्तर.ण्01 है।

## सारणी संख्या.3

शहरी एवम ग्रामीण अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि प्राप्तांको का मध्यमानएमानक विचलनए एवम क्रांतिक निष्पत्ति का मान.

शहरी अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या.204 जिनका मध्यमान 159ण्37ए मानक विचलन.22ण्31 है। शहरी गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या.192 जिनका मध्यमान.154ण्85एमानक विचलन.20ण्33 हैए दोनों का क्रांतिक निष्पत्ति.2ण्76ए सार्थकता स्तर. ण्01 है।

ग्रामीण अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या.96 जिनका मध्यमान. 143ण्25एमात्रक विचलन.20ण्05 है। ग्रामीण गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या.108 है जिनका मध्यमान.139ण्82एमानक विचलन.17ण्25 है दोनों का क्रांतिक निष्पत्ति.2ण्41एसार्थकता स्तर.ण्01 है।

**निष्कर्षरू.** प्रदत्तों के सांख्यकीय विश्लेषण और उनकी व्याख्या के आधार पर अध्ययन जे निम्न निष्कर्ष हैंरू.

**1ण्**माध्यमिक शिक्षकों की तुलना करने और अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक और गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों से अधिक कार्य संतुष्टि है।

**2ण्**अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष शिक्षक गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों से अधिक सन्तुष्ट हैंएऔर इसी प्रकार आंकड़े से यह भी निष्कर्ष निकलता है कि अनुदानित माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिकाएं गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षिकाओं से अधिक सन्तुष्ट हैं।

**3ण्** शहरी क्षेत्र के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों से कार्य संतुष्टि में आंशिक रूप से अंतर रखते हैं।

## शैक्षिक निहितार्थरू.

प्रस्तुत अध्ययन में अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि की तुलना किया गया .इसमें लिंगएव आवास को दृष्टि में रखकर तालिकाओं के अंतर्गत आंकड़े संगृहीत किये गए तथा चरों के अनुरूप व्याख्या विवेचन किया गया है.निष्कर्ष के उपरांत यह सामान्य विचार बना कि अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में अधिक कार्य संतुष्टि रखते हैं। इससे यह सूचना प्राप्त हित है कि गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय में भी सुविधा प्रदान करके तथा उनके शैक्षणिक स्तर को सुधार कर शिक्षकों आकर्षित किया जा सकता है। इससे शैक्षिक विषमता भी समाप्त होगी तथा सम्पूर्ण माध्यमिक शिक्षा में समरसता का संचरण होगा।

## सन्दर्भरू.

अरोराए आरण्केण .टीचर्स एग्जाइटी ऐट डिफरेंट लेवलस ऑफ जॉब सैटिस्फैक्शनएइंडियन एजीकेशनल रीव्यू।

आनंदएएसपी (1985).सैटिस्फैक्शन एंड डिसटीफैक्शन इन द स्कूल टीचिंग प्रोफेशनएइंडियन रिव्यूए

बेस्टएजॉन डब्लू .रिसर्च इन एजुकेशनए मैग्रा हिलएलंदनए